



बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की वर्ष
2021- 22 की घोषित प्रावीण्य
सूची में तीन स्वर्ण पदक सहित 16
छात्राएं मेरिट में

संत हिंदाराम नगर। संत हिंदाराम कन्या महाविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की छात्राओं ने एक बार पुनः स्वर्णिम इतिहास दोहराते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा घोषित वर्ष 2021-22 की प्रावीण्य सूची में 3 स्वर्ण पदक सहित 16 छात्राओं ने अपना प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय की घोषित प्रावीण्य सूची में छात्राओं का स्वरूप पदक प्राप्त कर संस्कृत बनाना, अकादमिक उत्कृष्टता और छात्राओं में किए जा रहे अनुभव प्रयासों को प्रमाणित किया।

सत हरिदाराम नगर। सत हरिदाराम कन्या महाविद्यालय की स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की छात्राओं ने एक बार पुनः स्वर्णिम इतिहास दोहराते हुए बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा घोषित वर्ष 2021-22 की प्रावीण्य सूची में 3 स्वर्ण पदक सहित 16 छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है।

ब्रह्मलीन संत शिरोमणि हिरदाराम साहिबजी के स्वप्न अनुसार, उनकी कृपा और आशीर्वाद, संस्था के अध्यक्ष प्रदेश सिद्ध भाऊजी के प्रेरणा और मार्गदर्शन से संचालित महाविद्यालय की सभी उपलब्धियां एक सामूहिक प्रयास और कुशल नेतृत्व को सार्थक करती है। महाविद्यालय प्रबंधन के एम.एससी. (कंप्यूटर साइंस) की छात्रा कु.पूजा तौरानी, एम.एससी. (मैथमेटिक्स) की छात्रा कु. हर्षण ठहिलानी और एम.एससी. (फॉड एंड न्यूट्रीशन) की छात्रा कु. रोहिनी चौरसिया को प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा।

समस्त सदस्या एवं संस्था के उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदनी और संस्था के सचिव श्री ए.सी.साधवानी के कुशल मार्गदर्शन और प्रेरणा से छात्राओं के हित में सभी कार्य कुशलतापूर्वक क्रियान्वित होते हैं। वर्तमान परिदृश्य में उनकी दूरदर्शिता सराहनीय है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। वहाँ एम.एससा. (फूड एंड न्यूट्रीशन) की छात्रा कु. हर्षा गौर, एम.एससी (मैथमेटिक्स) की कु. हर्षा चक्रबर्ती एवं कु. यशवी मिंज, एम.एससी (केमिस्ट्री) की छात्रा कु. अंशिका अग्रवाल ने दूसरा स्थान, एम.एससी (फूड एंड न्यूट्रीशन) की छात्रा कु. निशिका गोलानी ने तीसरा स्थान, एम.एससी (फूड एंड न्यूट्रीशन) की छात्रा कु. विद्या पांडित, एम.एससी (केमिस्ट्री) की छात्रा कु. वर्णिका दुबे

Three side-by-side portrait photographs of a young woman with dark hair, wearing different clothing: a patterned top, a red and white checkered top, and a yellow top.

छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अनुकरणीय भूमिका निभा रहा है। श्रेष्ठ अधोसंरचना, श्रेष्ठ शिक्षण व्यवस्था, श्रेष्ठ उपकरणों से सर्टिफिकेट कोर्स, विशेषज्ञों के सत्र, विषय अनुरूप प्राप्ति- अकेडमिया से प्राप्ति हेतु जुड़ाव, सरों की जानकारी, कौशल, व्यक्तिकारी और प्रतियोगी तैयारी हेतु उचित घरों के सेढ़ार्टिक एवं गिक ज्ञान प्रदान करने सर्वश्रेष्ठ बनाए जाने चाहीए किया जाता है। स्वरूप का पर्याय महाविद्यालय है, जिसमें को यथा संभव श्रेष्ठ शिक्षा के साथ अन्य विषयों में भविष्य निर्माण आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सदैव तरह है। वर्तमान समय में उद्यमिता के क्षेत्र अपार संभावनाएं हैं, इस हेतु छात्राओं उद्यमीय कौशल को विकसित करने हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर छात्राओं के स्टार्टअप्स प्रारंभ करवाकर उचित विक्रय हेतु ऑनलाइन प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराने में सहयोग दिया गया। श्रेष्ठ शिक्षा के साथ श्रेष्ठ प्लेसमेंट छात्राओं के लिए अति आवश्यक ताकि छात्राएं आर्थिक रूप से सक्षम पाए। प्रतिवर्ष कंपनियों द्वारा प्लेसमेंट का आयोजन और उनमें छात्राओं व चयन इस बात को परिलक्षित करता है कि अधिकतम छात्राएं प्रतिष्ठित कंपनियों में उच्च पदों पर अपनी सेवा दे रही हैं। सामाजिक सरोकार और रहित में योगदान देने हेतु उन्हें श्रेष्ठ नागरिक बनाने की दिशा में उच्च समय-समय पर उचित आयोजनों माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, जिनमें रक्षा परीक्षा जागरूकता कार्यक्रम और देशभक्ति से परिपूर्ण आयोजन प्रमुख है। महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा इस गौरवमयी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी को बधाई देकर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य व कामना की गई।

जैन इंजिनीयर्स सोसाइटी ने महावीर जयंती के उपलक्ष्य में निकाली अहिंसा वाहन रैली

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

जियो और जीने दो के प्रवर्तक
जैन धर्म के अंतिम तीर्थकर
भगवान महावीर का जयंती
समारोह इस वर्ष भी जैन
ईंजिनीयर्स सोसाइटी भोपाल
चैप्टर द्वारा धूमधाम के साथ
मनाया जा रहा है। 2 अप्रैल को
सोसाइटी द्वारा समाज जनों के
सहयोग से अहिंसा वाहन रैली का
आयोजन किया गया जिसे भोपाल
महापौर मालती राय द्वारा हरी
झंडी दिखाई गई। अध्यक्ष सुनील
जैन द्वारा बताया गया कि वाहन
रैली का उद्देश्य भगवान महावीर
के संदेशों को जन जन तक
पहुंचाना है। वाहन रैली लालघाटी
स्थित गुफा मंदिर से निकल कर
शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण
करते हुए जवाहर चौक स्थित जैन
मंदिर पहुंची। मंदिर पहुंचकर
धार्मिक आयोजन तथा

लक्ष्मीदेवी विकायोमल शर्टफ एज्यूकेशनल सोसायटी के सभी विद्यालयों का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

संत हिरदाराम नगर।
परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी के आशीर्वाद एवं परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी के कुशल मार्गदर्शन में लक्ष्मीदेवी विक्योमल शरारफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा सचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शरारफ उ. मा. विद्यालय, प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल, एल.वी.एस प्ले युप स्कूल एवं बीना चार्ली दासवानी गर्ल्स पब्लिक स्कूल सभी विद्यालयों का सत्र 2022-23 का वार्षिक परीक्षा परिणाम आज 01 अप्रैल 2023 को घोषित किया गया। सभी सफल विद्यार्थियों को श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी एवं संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी, प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी, विद्यालय की प्राचार्य ने सफलता की बधाई दी। कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा के जी. - द्वृष्टि तक विद्यालय में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आये विद्यार्थियों को पूरस्कार देकर



पुरुस्कृत किया गया। सभी विद्यालयों के कक्षा नर्सरी से आठवीं तक का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा एवं कक्षा नवीं एवं ग्यारहवीं का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा। बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। कक्षा तीसरी से बारहवीं तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आये छात्र-छात्राओं को विद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर परम प्रदेश सिद्ध अभिभावकगणों को विद्यालय की गर्मियों की छुट्टी में बच्चों के लिए बाल मेले का आयोजन किया गया है इसकी जानकारी दी गई। संस्था ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी पूरे वर्ष भर में

समस्त सफल हुए छात्रों को भाऊ जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। संस्था द्वारा सभी एवं उनका उत्साहवर्धन किया गया।

विधायक शर्मा ने लगाई लाडली बहना पंचायत

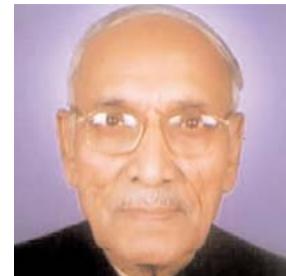


सांध्य प्रकाश संवाददाता ●
भोपाल

पर जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री, उपयंत्री सहित निगम के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। शर्मा ने रविवार को नीलबड़ स्थित महाराणी लक्ष्मीबाई शापिंग काम्पलेक्स परिसर में मुख्यमंत्री लाडली बहना पंचायत आयोजित की और उपस्थित पात्र बहनों के अपने समक्ष ही अॅन लाइन भरवाये। शर्मा ने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना लागू करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने इस योजना को बहुउपयोगी बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी ने पहल बेटियों के लिए लाडली लक्ष्मी योजना लागू की और अब अपनी बहनों की चिंता करते हुए लाडली बहना योजना लागू की।

• 6

धर्मस्थलों के लिए गाइडलाइन हो



**पंडित पी.एन. भद्रा
ज्योतिशाचार्य, सागर**

क्या धर्मस्थलों के लिए कोई गाइडलाइन नहीं हो सकती? मह कहनी भी भवन तान दें और फिर जब दुर्घटना हो जाए तो जिम्मेदारी प्रशासन पर धोखा दें, क्या वह सही है?

क्या ईंटों की बतानी की पूरी जिम्मेदारी मंत्र दूष्ट की नहीं है? और भी तभाल सबाल है, जो केवल धर्म स्थल के नाम पर गोण हो जाएगे, ऐसा लग रहा है। वैसे भी प्रदेश में हर्दी तमाम दुर्घटनाओं की जांच रिपोर्ट का इतिहास अच्छा नहीं है, इसलिए इस जांच पर अपील से संदेह की सुई छूपने लगी है।

असल में ईंटों के बेले शर्कर महादेव ज्ञानेलाल मंदिर में रामनवमी के दिन हआ हादसा जितना त्रासद और दुर्भाग्यपूर्ण है, उतना ही विचारणीय भी। हाल हीको एक-दो नहीं, छठीस लोगों की मौत हुई है। रामनवमी के मौके पर मंदिर में ब्रदालुओं की भीड़ लगना कोई अप्रत्याशित बात नहीं थी। जाहिर है भीड़ को संभालने के लिए जिस तरह की चाक-चाक और चौकंक व्यवस्था हीनी चाही थी, उसका बैंस ही अधिक था जैसे आप तो पर मंदिर में होता है। सबसे भवलपूर्ण मुद्रा तो गहरा है कि मंदिर के अंदर बाबू को ढकने वाले स्टैब पर भी काफी लाग इकट्ठा हो गए थे। कोई उन्हें रोकने वाला या यह बताना नहीं था कि यह स्टैब कमज़ोर है और ज्यादा लोगों का बोझ नहीं बहन कर सकता।

वहाँ हुआ, जिसकी बताना नहीं की थी। अचानक रुद्दै धर्म गया और उस पर खड़े तमाम लोग नीचे गहरी बालू में गिर गए। सामाले की जांच के अंदर तकाल दे दिए गए। मृतकों के परिजनों और धार्याओं के लिए मुआवजा राशि घोषित करने में भी सकार ने दे दी नहीं लगाई। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अधिक बैंस ही बार-बार विभिन्न धार्मिक स्थलों से ऐसे हादरों को खड़े सुनें को मिलता है? कभी किसी मंदिर की छत गिर जाती है तो कभी रेलिंग की हिस्पा टूटकर गिर जाता है। यद्यों इन्होंने और अन्य धर्मस्थलों को ममत्म और रखरखाव की व्यवस्था पर नजर नहीं रखी जाती?

कानून के अनुरूप, उनको जिम्मेदारी बन्दों नहीं तय हो पाती?

ताजा हादसों की भी यह एक अहम पक्ष है। मंदिर के अंदर स्थित बाबू को इस तरह डका जाना गैरकानी तो था ही, स्थानीय प्रशासन को इसके जानकारी भी थी। इस बारे में नेटिस भी दिया गया था। खबरों के मुताबिक जनवरी के अखिरी हफ्ते में ईंटों नगर नियम ने मंदिर के द्वारा इस तरह के अध्यक्ष ने तो बाकायदा नगर नियम के अधिकारियों को भावनाएं भड़काई थी क्योंकि ही दी थी।

संभव है: इसीलिए जो काम एक समाज की समय सीमा समाप्त होती ही शुरू हो जाना चाहिए था, उस दिया में दो मलिने बाद भी कोई प्रभाव नहीं हुआ। नीतीज़ यह कि रामनवमी के मौके पर ब्रदालुओं को बायनी जन देकर इस लापत्वाली की कीमत चुकानी पड़ी। अखिर कथित धार्मिक भावानाओं के नाम पर हारी कानून व्यवस्था से जुड़ी ऐसीसियां अक्सर लाचार बन्दों द्विखेने लगती हैं? यह स्थिति बेदू खतरनाक है। एक बात यह भी है कि यान्य सरकारें अपने यहाँ की धर्मस्थलों का सुरक्षा ऑफिसर्स को नहीं करतीं ताकि ऐसे हादरों को आपातके जाकर जाएं। अभी गैर-इतावन हात्या का आरोप लगा है, जो उन्हिंने दिया है कि इस मामले का भी वहाँ ही होगा, जो रामनगढ़ मंदिर हादसे वा अन्य ऐसे ही हादसों की जांच का हुआ।

फिर भी, सरकार और प्रशासन को धार्मिक स्थलों के लिए कोई गाइडलाइन तो बनानी ही होगी। धर्म के नाम पर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने वालों पर जब तक सख्त कार्रवाई नहीं होगी, प्रशासन ने धर्मकाते रहेंगे। जान की कोमत सरकारी मुआवजा से नहीं तीला जाए, तभी कुछ हो पाएगा।

हंसयोगी भगवान महावीर स्वामी की कुंडली

जाता है। सूर्य के साथ बुध का योग है। बुध हंस योग भगवान महावीर स्वामी को यंत्र-मंत्र संबंधी उच्च कोटि की विद्याएं, विशिष्ट बुद्धिमता, महाज्ञानी, सर्वज्ञ होने का जन्म सिद्ध अधिकार प्राप्त हुआ। अपने जीवन काल में उन्होंने ऐसे-ऐसे चमत्कार दिखाए, जिससे प्राणी मात्र को उनके समक्ष नतमस्तक होना पड़ा। सप्तम

पृथकता, एकात्मवास, धर्म के मर्म की सच्ची खोज करने के लिए दृढ़ निश्चयी बना दिया। चन्द्र ने कन्या राशि में बैठकर बुध को समस्त गुण प्रदान कर दिये और बुध ने सूर्य से योग बनाया। अतः उस अमृत का स्वाद आत्मा को आया और उस अमृत को पान करने के उपरान्त सभी सांसारिक सख्त, चमचमाती समस्त संपदाएं हेय प्रतीत हुई और संसार के समस्त सुखों का वियोग कराके मुक्ति बधू से नाता जुड़वा दिया।

मुक्ति मार्ग

ध्यान रहे, केतु की नवम दृष्टि चन्द्र पर है। केतु की इच्छा के विपरीत मुक्ति मार्ग मिलना असंभव ही है। दसवें भवन में शनि अपनी उच्च राशि तुला में स्थित है। शनि उच्च राशि गत केन्द्रस्थ द्वारा जन साधारण से सम्पर्क स्थापित कर जातक के मन में याज्ञिक कर्म करने की भावनाएं जागत की।

रुचक योग

जन्मांक में मंगल उच्च राशि गत होकर रुचक नामक योग बनता है। ज्योतिषिक सिद्धान्तानुसार

इस योग में जन्म लेने वाले जातक का शरीर अत्यन्त बलिष्ठ और ब्रजमयी होता है। ऐसा

व्यक्ति अपने सम्यक विचारों तथा साक्षात्कारों से विशेषता करता है। ऐसा जातक

सप्तम लोगों का स्मारण-मात्र उसकी अत्यन्त तप्त पर हरते हैं।

रुचक योग वाला जातक को भावनाएं जागत की जलाकर भयम कर दूंगा। बुध कह रहा है कि मैं जातक को भावय पर

भरोसा न करने वाला कर्म शून्य बना दूंगा, क्योंकि मुझ पर और सूर्य भवन में गुरु उच्च राशि (कर्क) गत है, और गुरु भी कर्क राशि में विद्यमान है। गुरु उच्च राशि का केन्द्र में होने से हंस नामक योग बनता है। हंसयोग वाला जातक अत्यन्त सुन्दर, रक्तिम आधायुक्त, मुखाकृति, ऊंची नासिका, प्रफुल्लित कमलोचन, सुन्दर चरण युगल, विशाल वक्ष स्थल वाला होता है। गुरु विद्या, संतान, धन एवं भावय का विधायक है।

एवं प्रशस्त पथ प्रदर्शक होता है। राहु एवं गुरु उच्च राशि के अंतर्गत होकर कर्म करने की क्षमता एवं अधिकार सुखता है।

मुझमें शुक्र को छोड़कर समस्त ग्रहों की भावनाएं विद्यमान हैं और उसमें वी दो ग्रहों की भावनाएं मुख्य हैं। मुझमें मंगल और केतु के ग्रहों पर प्रसाद होता है।

गुरु उच्च राशि का अधिकार सुखता है। अतः उस पर हरते हैं। एस वर्ष भवन से पिता तथा निज कर्मों का विचार किया जाता है। अतः शनि कह रहा है कि दसम भवन में उच्च राशि के अंतर्गत होकर उच्च कोटि के अंतर्गत होकर उच्च कर्म करने की क्षमता एवं अधिकार सुखता है।

राहु और गुरु कह रहे हैं कि हम सप्तम भवन का अवलोकन, जीवित प्राणियों का हवन में स्थित होते हैं। यदि इनकी दृष्टि न होती तो मैं जातक को सांसारिक सुखों का आनंद ही आनंद दिलाता। इस परिस्थिति में मैं जातक को भावनाएं जानने के बावजूद वाला होता है।

भवन में गुरु उच्च राशि (कर्क) गत है, और गुरु भी कर्क राशि में विद्यमान है। गुरु उच्च राशि का केन्द्र में होने से हंस नामक योग बनता है। हंसयोग वाला जातक अत्यन्त सुन्दर, रक्तिम आधायुक्त, मुखाकृति, ऊंची नासिका, प्रफुल्लित कमलोचन, सुन्दर चरण युगल, विशाल वक्ष स्थल वाला होता है। गुरु विद्या, संतान, धन एवं भावय का विधायक है।

एवं प्रशस्त पथ प्रदर्शक होता है। राहु एवं गुरु की अधिकार प्राप्त होता है। गुरु उच्च राशि का अधिकार सुखता है। अतः उस पर हरते हैं। एस वर्ष भवन से पिता तथा निज कर्मों का विचार किया जाता है। अतः शनि कह रहा है कि दसम भवन में उच्च राशि के अंतर्गत होकर उच्च कोटि के अंतर्गत होकर उच्च कर्म करने की क्षमता एवं अधिकार सुखता है।

गुरु उच्च राशि का अधिकार सुखता है। अतः उस पर हरते हैं। मेरा नाम सुनकर बड़े-बड़े योद्धाओं एवं शूरमाओं के पराक्रम नष्ट हो जाते हैं। परन्तु जिस जातक पर परे मेरी कृपा दृष्टि हो जाती है, उसकी कीर्ति भी अजर-अमर हो जाती है।

शनि कह रहा है, मैं अपने समस्त गुण शुक्र को दे रहा हूँ, क्योंकि मैं वृद्ध हूँ, मेरी गति मंद है। मैं अपने प्रियंक शुक्र को आज्ञा देता हूँ, कि तुम भौतिक सुखों का त्याग करके उनकी दसरी दृष्टि होती है।

परम भवन में गुरु उच्च राशि गत होता है। उच्च राशि का अधिकार वाला जातक के समान मजबूत और अत्यन्त पुष्ट था।

राहु और गुरु कह रहे हैं कि हम सप्तम भवन का अवलोकन, जीवित प्राणियों का हमारा स्वभाव हो गया है। अतः एस वर्ष ग्रह सुखता है।

गुरु उच्च राशि का अधिकार सुखता है। अतः उस पर हरते हैं। एस वर्ष भवन से पिता तथा निज कर्मों का विचार किया जाता है। अतः शनि कह रहा है कि दसम भवन में उच्च राशि के अंतर्गत होकर उच्च कोटि के अंतर्गत होकर उच्च कर्म करने की क्षमता एवं अधिकार सुखता है।

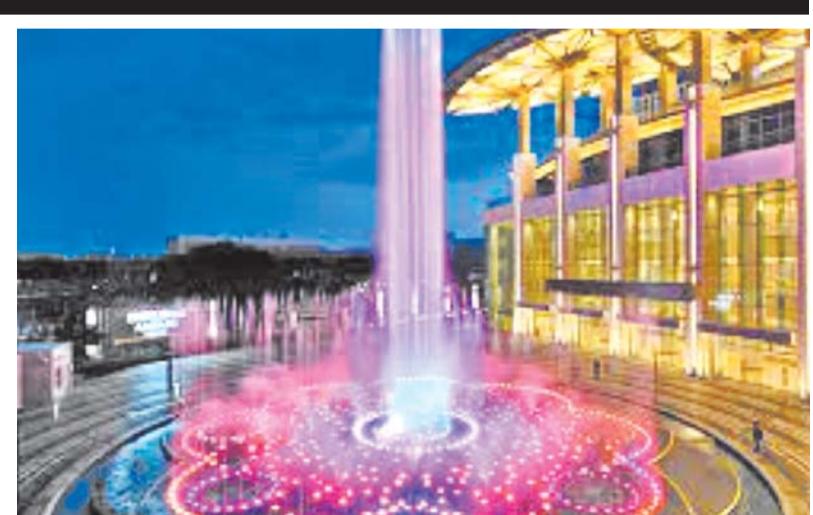
जिस उन्होंने इस योजना को आगामी चुनाव जीतने का हथियार बना लिया है। जाहिर है लालड़ी बहन के ब

भोपाल में महवीर जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा



पेज 1 से जारी

नीता मुकेश अम्बानी कल्याल सेंटर का शुभारंभ



नीता मुकेश अंबानी कल्याल हाल के शुभारंभ अवसर की झलकियाँ..अनेक फिल्मी कलाकारों ने भी की दिरकत।





नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री



महिला सम्मेलन

एवं

हर गरीब को आवास के लिए भू-खंड

मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार पत्र वितरण

अब तक प्रदेश में **36,330** आवासहीन परिवारों को
निःशुल्क भू-खंडों का आवंटन

रिवाज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा

3 अप्रैल, 2023 | अपराह्न 2:30 बजे
पुलिस ग्राउण्ड, बैतूल, मध्यप्रदेश